परिशिष्ट

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान / रा.शै.अ.प्र. / भोपाल– 462013

लेखन त्रुटियों तथा बोद्ध के अध्ययन के लिये अनुच्छेद प्रश्नावली

इस अनुच्छेद द्वारा कक्षा तीन, चार व पांच में अध्ययनरत बालक–बालिकाओं में लेखन संबंधी होने वाली त्रुटियों का अध्ययन किया जाना है।

निर्देश –

प्रिय विद्यार्थियों,

आपके समक्ष अनुच्छेद प्रस्तुत किए जायेगे।

एक–एक अनुच्छेद को मेरे द्वारा उसे बोला जायेगा और आप को उस अनुच्छेद को लिखना है।

– आप उसे शांतिपूर्वक सुने और लिखें। क्योंकि अनुच्छेद समाप्त होने के बाद उसी से संबंधित प्रश्न पूछे जायेगे जिनका सही उत्तर आपको लिखना है।

– दो अनुच्छेद कक्षा तीन के लिये, दो अनुच्छेद कक्षा चार के लिये व दो अनुच्छेद कक्षा पांच के लिये हैं।

मार्गदर्शक
डॉ.आई.बी.चुगताई

शोधकर्ता
कु. छाया सक्सेना

कक्षा–3

अनुच्छेद 1

आज बाजार की रौनक देखते ही बनती थी। पूरा बाजार सजा–सजाया दिखाई दे रहा था। दुकानों पर तरह–तरह की रंग–बिरंगी राखियाँ बिक रही थी। मिठाइयों की दुकानों पर आज बहुत भीड़ थी। कपड़ा बाजार में भी काफी चहल–पहल थी। प्रियंका और राधा ने अपनी–अपनी पसंद की राखियां खरीदी। उन्होंने मिठाई और दूसरा जरूरी सामान भी खरीदा।

प्रियंका और राधा ने बाजार से क्या खरीदा ?

किन दुकानों पर अधिक भीड़ थी ?

अनुच्छेद 2

एक दिन की बात है। मैं आंगन में बैठी किताब पढ़ रही थी। दो तीन पृष्ठ ही पढ़ पाई थी की चिं–चिं–चिं–चिं की आवाज सुनाई दी। फड़–फड़ भी हो रही थी। मेरा तो पढ़ना एक दम रूक गया। मैंने इधर–उधर नजर दौड़ाई देखा कि आंगन में एक बिल्ली बैठी है। उसके पंजों में एक छोटी सी चिड़ियां का इस तरह छट पटाना देखा नहीं गया। मैंने आव देखा ना ताव, डंडा उठा कर बिल्ली की और फेंका। बिल्ली चिड़ियां को वही छोड़ कर भाग गई।

चुनमुन को किसने दवोच रखा था ?

आंगन में कौन बैठा था ?

कक्षा 4

अनुच्छेद 1

मैं एक नदी हूं। मेरा नाम नर्मदा है। आज मैं तुम्हें अपनी आत्मकथा सुनाऊंगी। मैं मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के अमरकंटक पहाड़ से निकलती हूं। एक कुण्ड से निकल कर छिपती छिपाती एक बहुत पतली धारा के रूप में कपिल–आश्रम तक आती हूं यहां मुझे कपिल धारा के नाम से जाना जाता है यहां की मेरी सुन्दर घटा देखते ही बनती है यहां पर मैं एक झरने के रूप में बहुत नीचे गिरती हुई आगे जाकर मंडला जिले में प्रवेश करती हूं। मंडला से निकलकर मैं जबलपुर जिले में आती हूं धीरे–धीर मेरा पाठ चोड़ा होता जाता है विन्धय और सतपुड़ा के पर्वतों के बीच से निकलती हुई मैं लगातार अपने मार्ग पर कलकल छलछल करती बढ़ती रहती हूं।

नर्मदा नही कहाँ से निकलती है ?

नर्मदा किन दो पर्वतो के बीच से बहती है ?

अनुच्छेद 2

एक गाँव वाले को तोते का एक बहुत ही सुन्दर बच्चा मिला। तोते आदमी की आवाज की नकल अच्छी कर लेते हैं। गाँव वाले ने तोते के बच्चे को बहुत से शब्द सिखाने का प्रयत्न किया पर तोते का बच्चा एक भी शब्द नहीं सीख पाया। गाँव वाला सिखाता नमस्ते! वह कहता टे टे टे !! गाँव वाला सिखाता बोलो मैं मिट्ठू हूं ! तोता कहता टे टे टे !! एक दिन गाँव वाले की पत्नी ने कहाँ छोडो इस तोते को लगता है कि इसमे अकल ही नहीं है गाँव वाला बोला इसमे क्या शक है ? तोते के बच्चे को इस बात को सुनकर जाने कैसे लगा वह गाँव वाले की इस बात को सीख गया और बोल पड़ा इस ने क्या शक है

प्रश्न – गांव वाले ने तोते के बच्चे को क्या–क्या सिखाना चाहा ?

प्रश्न – तोते ने कौन सी बात रट रखी थी ?

कक्षा 5

अनुच्छेद 1

एक दिन अभिषेक ने कक्षा में अपने मित्रों को जहाज, नाँव आदि के रंगीन चित्र रेखाओं की सहायता से न बनकर, अनेक बिन्दुओं से बने हुए थे। मित्रों के पूछने पर अभिषेक ने उन्हें बताया कि ये चित्र उसके पिता के कमरे में रखी एक मशीन ने बनाए हैं ? सभी बच्चे हैरान होकर एक साथ पूछ बैठे– मशीन ने बनाए हैं ? हाँ हाँ ! कम्प्यूटर मशीन ने। अभिषेक ने कहा उसी समय अध्यापिका ने कक्षा में प्रवेश किया। बच्चे अपनी जिज्ञासा न रोक पाए। उन्हें देखते ही वे पूछ बैठे– दीदी कम्प्यूटर क्या होता है ? देखिए आज अभिषेक बिन्दुओं से बने अनेक चित्र लाया है कहता है मशीन ने बनाए हैं। अध्यापिका ने बच्चों की उत्सुकता को देखते हुए कहा कि कम्प्यूटर बिजली से चलने वाली एक ऐसी अनोखी मशीन है जिससे कठिन से कठिन गुणा भाग आदि सवालों का जवाब भी पल भर में प्राप्त किया जा सकता है। यह मशीन बहुत तेजी से कार्य करती है। पहला कम्प्यूटर लावर्ड आइकेन ने सन् 1944 में बनाया था

प्रश्न – पहला कम्प्यूटर कब व किसने बनाया ?

प्रश्न – अभिषेक ने कक्षा में कौन से चित्र दिखाए ?

अनुच्छेद 2

राष्ट्रपति बग्गी से उतरे। प्रधानमंत्री सेनाध्यक्ष और दूसरे बड़े–बड़े लोगों ने खड़े होकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। फिर सभी अपनी अपनी जगह बैठ गए। सबसे पहले राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय झंडा फहराया। इसके कुछ देर बाद परेड आती दिखाई दी। सबसे आगे एक जीप गाड़ी थी। इसमें परेड कमाण्डर हाथ में खुली तलवार लिए खड़े थे। जीप धीरे–धीरे आगे बढ़ रही थी। उसके पीछे सेना के जवान पंक्तियों में कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। परेड में सभी तरह के सैनिक टुकड़ियां थी। प्रत्येक टुकड़ी की अलग–अलग वर्दी थी। सभी के अपने अपने बैंड थे, जिनकी धुनें बड़ी अच्छी लग रही थी। थल सेना के सैनिकों के पीछे वर्दी पहने जल सेना के जवान थे। उनके पीछे वायु सेना के जवान चल रहे थे। कितना सुंदर वह दृश्य। अब घुड़सवार आ रहे थे। घोड़ों और ऊटों के बाद बड़ी–बड़ी फौजी गाड़ियाँ थी। इन गाड़ियों में से किसी पर तोपें और किसी पर मशीन गनें रखी हुई थी। अंत में आकाश में हवाई जहाजों ने राष्ट्रपति को सलामी दी।

प्रश्न – किसने राष्ट्रीय झंडा फहराया ?

प्रश्न – परेड में कौन–कौन सी झांकिया दिखाई गई थी ?